

पाठ- 2 बगुला भगत लिखित प्रश्नोत्तर



CLASS: IV
SESSION NO : 5
SUBJECT : (HINDI)
CHAPTER NUMBER: 2
TOPIC: बगुला भगत
SUB TOPIC: लिखित प्रश्नोत्तर

CHANGING YOUR TOMORROW

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org

Toll Free: **1800 120 2316**
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

1) कहानी के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों के आगे क्रम संख्या लिखिए

(क) "मैं एक-एक करके तुम सबको अपनी चोंच में पकड़कर दूर एक बड़े तालाब में छोड़ आऊँ।" (2)

ख) धूर्त और दुष्ट व्यक्ति सदा सुखी नहीं रहते।(7)

ग) चट्टान के पास मछलियों की हड़ड़ियों का ढेर लग गया ।(4)

(घ) बंगुला पीड़ा से कराह उठा (6)

ङ) एक तालाब में पानी सूखता जा रहा था। (1)

च) "मैं तुम्हारी चोंच में दबकर नहीं चल सकता कहो तो गरदन पर बैठकर बलू?" (5)

छ) मछलियाँ भूर्त बगुले की चाल में आ गईं।(3)



(2) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

क) बगुला तालाब के किनारे किसका वेश बनाकर बैठा था और वह क्या सोच रहा था?

उ- बगुला तालाब के किनारे साधु का देश बनाकर बैठा था तालाब के किनारे बैठा बगुला तालाब की मछलियों से अपना पेट भरने का उपाय सोच रहा था।

ख) मृत्यु के मुख से बचने के लिए बगुले ने मछलियों को क्या उपाय बताया ?

उ:- बगुले ने मछलियों को मृत्यु के मुख से बचने का यह उपाय बताया कि वह एक-एक करके सभी मछलियों को अपनी चोंच में पकड़कर दूर एक बड़े तालाब में छोड़ आएगा ।

ग) बगुला मछलियों का क्या करता था?

उ: बगुला तालाब में से एक मछली ले जाता और दूर जंगल में एक बड़े तालाब के किनारे बड़ी चट्टान पर बैठ उसे मारकर खा जाता था।

घ) केकड़ा बगुले की भूर्तता से कैसे परिचित हुआ ? उसने अपनी जान कैसे बचाई?

उ: केकड़ा चालाक था उसे बगुले पर विश्वास नहीं था, इसलिए उसने शर्त रखी कि वह बगुले की गरदन पर बैठकर चलेगा जब केकड़ा चट्टान के पास पहुँचा तो हड्डियों के ढेर को देखकर सब कुछ समझ गया। उसने बगुले की गरदन में डंक गड़ाए और उसे तालाब तक चलने पर मजबूर कर दिया। तालाब के किनारे पहुँच उसने बगुले की गरदन दबाकर उसे खतम कर दिया। इस प्रकार अपनी सूझ बुझ से केकड़े ने अपनी जान बचाई।

गृहकार्य

पाठ का अभ्यास करें।

शिक्षण प्रतिफल

बच्चे विषय प्रश्नोत्तर की
जानकारी लिए

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP